डा.एम.एम.पॉल खुराना

निदेशक (जनवरी, 2002 से नवम्बर, 2004 तक)

डा. सत्येन्द्र मोहन पॉल खुराना का जन्म 31 दिसंबर, 1944 को भारत में हुआ था। उन्होने गोरखपुर विश्वविद्यालय से सन् 1961-68 के मध्य शिक्षा प्राप्त की। आपने पी.एचडी की उपाधि 1968 में, वर्ष 1970-72 में क्यूशू विश्वविद्यालय, जापान से उन्नत पादप विषाणु विज्ञान में पोस्ट डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

आप वर्ष 1976-82/1988 तक वरिष्ठ वैज्ञानिक/प्रधान वैज्ञानिक/अध्यक्ष विषाणु, विभाग/बीज रोग विज्ञान विभाग, वर्ष 1988-93 तक प्रधान वैज्ञानिक एवं पादप रोग विभाग के अध्यक्ष, वर्ष 1994-2004 तक अखिल भारतीय फसल अनुसंधान परियोजना (आलू) के परियोजना समन्वयक रहें तथा वर्ष 2002-04 तक केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के निदेशक रहे, तत्पश्चात् वर्ष 2004-09 तक रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति रहे तथा वर्ष 2009-10 से निदेशक, एमिटी जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा का पदभार सम्भाल रहे हैं। आपने वर्ष 1992, 1996, 1997 में सी.आई.पी./एफ.ए.ओ. के सलाहकार का पद भी सुशोभित किया है।

पुरस्कार/सम्मानः आपको वर्ष 1992 में मुंदकुर मैमोरियल अवार्ड/स्वर्ण पदक, वर्ष 1995 में यू.ए.एस., धारवाड़ सम्मान पट्टिका, (ऑनर ऑफ प्लेक), वर्ष 1997 में क्यू.यू.ए.टी. रजत पट्टिका (सिल्वर प्लेक), 1999 में यू.ए.एस., धारवाड़ आर.के. हेज स्मारक व्याख्यान पुरस्कार, वर्ष 2000 में सी.पी.आर.आई. स्वर्ण जयन्ती उत्कृष्ट उपलब्धि पुरस्कार (सी.पी.आर.आई. गोल्डन जुबली आउटस्टैंडिंग एचीवमैंट अवार्ड) तथा वर्ष 2002 में राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी द्वारा वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2003 में भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय सह-मित्र मित्रता मंच भारत उत्कृष्टता पुरस्कार/स्वर्ण पदक (India Intl. Co-op friendship Forum Bharat Excellence award/Gold Medal), वर्ष 2003 में सी.पी.आर.आई. एस. रामानुजम स्मारक पुरस्कार, 2005 में इन्सोप (INSOP) द्वारा रजत पट्टिका (सिल्वर प्लेक) एवं सम्मान का प्रमाण पत्र भी आपको प्राप्त हुआ। वर्ष 2006 में यू.एन.ओ. द्वारा उच्च शिक्षा प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए डा. राधा कृष्णन् अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार, वर्ष 2007 में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा लाईफ टाईम एचीवमैंट

पुरस्कार, वर्ष 2007 में श्री ओंकार पुरस्कार, वर्ष 2010 में आई.सी.ए.आर. टीम रिसर्च पुरस्कार, वर्ष 2010 में ही आई.एस.सी.ए.-प्लेटिनम जयन्ती (व्याख्यान) पुरस्कार, वर्ष 2011 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पुरस्कार में सार्क उत्कृष्ट पुरस्कार, वर्ष 2012 में आई.एस.एम.पी.पी. लाईफ टाईम एचीवमैंट पुरस्कार, वर्ष 2013 में एच.एस.आई. द्वारा शिव-शक्ति लाईफ टाईम एचीवमैंट पुरस्कार तथा इसी वर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सम्मान (एमिनेंट साईन्टिस्ट ऑनर), आई.एस.सी.ए. सर जे.सी. बोस पुरस्कार से भी आपको नवाजा गया।

फैलो- आप इंडियन फाईटोपैथोलॉजी सोसायटी, नई दिल्ली, राष्ट्रीय जैविक विज्ञान अकादमी, चेन्नई, भारतीय आलू संघ तथा एफीडोलॉजीकल सोसायटी ऑफ इंडिया के फैलो रहे।

शोध क्षेत्रः- पादप रोग विज्ञान, पादप विषाणु/जैव प्रौद्योगिकी।

पताः-निदेशक, एमिटी जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, एमिटी विश्वविद्यालय हरियाणा, गुड़गांव (मानेसर) 122413, हरियाणा, ई-1101, पार्क व्यू सिटी-2, सैक्टर-49, सोहना रोड, गुड़गांव, हरियाणा (टेलीफोन कार्या. 0120-2445252, आवास-0124-4008139, मोबाईल न.-09650844566, ईमेलः smpaulkhurana@gmail.com, smpkhurana@amity.edu)